A–0630

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

PJ-102

Certificate/Diploma in Phalit Jyotish (CPJ/DPJ)

फलित ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×26=52)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पंचांग किसे कहते हैं ? उसके अंगों का परिचय दीजिए।

2. गुरु की विंशोत्तरी महादशा फल का विवेचन कीजिए।

3. सूर्यादि ग्रहों से बनने वाले अरिष्टभंग योग का वर्णन कीजिए।

4. पंचमहापुरुष का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

5. नक्षत्र एवं करण की सैद्धान्तिक विवेचना कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×12=48)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मालव्य एवं शश योग का उदाहरण सहित लेखन कीजिए।

2. केन्द्र में बृहस्पति ग्रह का फलादेश लिखिए।

3. गजकेसरी योग का उदाहरण सहित लेखन कीजिए।

4. ग्रहों के कारकत्व का परिचय दीजिए।

5. नवग्रहों का परिचय दीजिए।

6. राशि एवं नक्षत्र का क्या सम्बन्ध है ? वर्णन कीजिए।

7. भंद्र एवं हंस योग का उदाहरण वर्णन कीजिए।

8. ग्रहों के उच्च–नीच, मूलत्रिकोण व नैसर्गिक मित्रता को परिभाषित कीजिए।

****